HIN1B09a_cours-04-2013-02-18

पालतू जानवर

दुनिया के सभी देशों में लोग जानवर पालते हैं। किसी को कुत्ता पालना अच्छा लगता है तो किसी को बिल्ली। कुछ लोगों को अजीब-अजीब तरह के जानवर पालने का शौक होता है। उदाहरण के लिए, तोता, शेर, साँप, कछुआ, मछली, चूहा, मेंढक, घड़ियाल, सूअर, गिलहरी, मकड़ी, कंगारू आदि। हो सकता है कि किसी दिन लोग मच्छर या मक्खी भी घरों में पालने लगें। बहुत-से लोग ऐसे अजीब पालतू जानवरों को अपने घरों में भी रखते हैं। यही नहीं वे पालतू जानवरों के साथ सोते भी हैं। उनका कहना है कि वे जानवरों के बिना ज़िन्दा नहीं रह सकते। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि जो लोग पालतू जानवरों के साथ रहते हैं वे ज़्यादा सहनशील और बुद्धिमान होते हैं। इसके अलावा पालतू जानवर अकेले रहने वालों का भी साथ देते हैं। उदाहरण के लिए जो लोग अकेले ज़िन्दगी बिताना चाहते हैं उनके लिए जानवर बहुत उपयोगी होते हैं।

इसके विपरीत जिन लोगों को जानवरों से नफ़रत होती है उन्हें ऐसी बातों में कोई दिलचस्पी नहीं। वे जानवर पालने के ख़िलाफ़ होते हैं। उनके कई तर्क होते हैं। पहली बात तो यह कि जानवरों को पिंजड़ों में बन्द रखना उनकी ज़िंदगी के साथ खिलवाड़ होता है। दूसरी बात यह है कि जानवरों से बीमारी फैलने का भी ख़तरा होता है। मसलन, रामू के जो लड़के खरगोश के साथ खेलते थे उन्हें खुजली हो गयी। इसी तरह स्कूल के जो बच्चे कुत्तों के साथ खेलते थे उन्हें खाँसी हो गयी। तीसरी बात, जानवरों को घर में रखना ख़तरनाक भी हो सकता है। कुछ साल पहले इटली में मारियो ने अपने घर में शेर पालकर रखा था। एक दिन शेर को सुबह बहुत ज़ोर की भूख लगी तो उसने अपने मालिक को ही अपना नाश्ता बना लिया। यानी जिस जानवर को मारियो ने पाला उसी ने मारियो को मार डाला। तीसरी बात यह है कि जानवर दूसरे लोगों को नुकसान पहुँचा सकते है। पेरिस के पास किसी गाँव में एक बुढ़िया रहती थी। उसने एक जर्मन कुत्ता खरीदा। जो कुत्ता उसने खरीदा वह देखने में बहुत ख़ूबसूरत, लेकिन साथ ही ख़ूँख़्वार (ou खूँखार) था। उसे हमेशा बहुत भूख लगती थी। एक दिन वह जोर से भौंक रहा था। बुढ़िया ने उसे डंडे से पीटा। कुत्ता चुप हो गया। लेकिन जब उसने कुत्ते को खोला तो वह बुढ़िया पर टूट पड़ा। यानी जिस कुत्ते को बुढ़िया ने सालों खाना खिलाया उसी ने उसे दो मिनट में मार डाला। बहरहाल, यह कह पाना मुश्किल है कि क्या करना ठीक है!